



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

24 फाल्गुन 1932 (श०)
(सं० पटना ७०) पटना, मंगलवार, 15 मार्च 2011

बिहार विधान परिषद् सचिवालय, पटना

अधिसूचना

11 मार्च 2011

सं. वि.प.वि. 62/2010-645(3) वि.प.—बिहार विधान परिषद् की आचार समिति के नियम की कंडिका 7 के आलोक में आचार समिति ने अपने नियम को निम्न रूप से विशद् किया है, जिस पर माननीय सभापति, बिहार विधान परिषद् ने अपनी स्वीकृति प्रदान करने की कृपा की है:-

1. समिति के नियम 2 (क) के पश्चात् निम्नलिखित स्थापित किया जाता है :-

“टिप्पणी-नियम 2 (क) में यथा विहित ‘विशिष्ट अनुरोध’ से तात्पर्य है :

- (I) शिकायतकर्ता समिति अथवा समिति द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी को लिखित रूप में ऐसे स्वरूप में शिकायत कर सकता है, जैसा कि समिति विनिर्दिष्ट करे।
- (II) शिकायत की भाषा परिनिष्ठित और संयमित होगी तथा मात्र तथ्यों तक ही सीमित रहेगी।
- (III) शिकायतकर्ता को अपनी पहचान की घोषणा करनी होगी और आरोपों को सिद्ध करने के लिए आवश्यक दस्तावेज/कागजात और अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।
- (IV) यदि शिकायतकर्ता द्वारा इस प्रकार का अनुरोध किया जाता है, तो समिति शिकायतकर्ता का नाम प्रकट नहीं करेगी।
- (V) मात्र मीडिया की रिपोर्ट पर आधारित शिकायत को प्रामाणिक आरोप नहीं माना जायगा, और
- (VI) समिति ऐसे किसी मामले पर विचार नहीं करेगी जो न्यायालय के विचाराधीन हो।”

2. समिति के नियम 12 के पश्चात् विशिष्ट अनुरोध/शिकायत का प्रपत्र निम्नवत स्थापित किया जाता है:

**"बिहार विधान परिषद्
आचार समिति के समक्ष किए जाने वाले विशिष्ट अनुरोध/शिकायत का प्रपत्र**

1. अनुरोध/शिकायतकर्ता का नाम
2. पिता का नाम
3. व्यवसाय
4. स्थायी पता
-
5. वर्तमान पता
-
6. दूरभाष/मोबाइल सं.
7. किन्हीं सदस्य/सदस्यों के अनपेक्षित/अमर्यादित व्यवहार या आचरण से संबंधित अनुरोध या शिकायत का व्यौरा (व्यौरा 150 शब्दों से अधिक न हो)
-
-
-
-
-
8. शिकायत की पुष्टि हेतु संलग्न किए गए दस्तावेज/कागजात या अन्य प्रमाण का विवरण
-
9. शिकायतकर्ता की पहचान से संबंधित संलग्न किए गए प्रमाण पत्र का विवरण
-
10. क्या शिकायत से संबंधित मामला किसी न्यायालय के विचाराधीन है
-
11. मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा दी गयी उपर्युक्त सूचनायें मेरे संज्ञान एवं जानकारी में सत्य हैं। मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मेरी जानकारी में ऐसी कोई भी बात, जो सत्य है, मैंने छिपाया नहीं है।

स्थान..... अनुरोध/शिकायतकर्ता का पूर्ण हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान
दिनांक

टिप्पणी :—

- (1) कोई भी व्यक्ति बिहार विधान परिषद् के सदस्यों के अनपेक्षित/अमर्यादित/आचार तथा व्यवहार एवं उनके संसदीय आचरण के संबंध में इस विहित प्रपत्र के द्वारा आचार समिति के समक्ष अनुरोध/ शिकायत कर सकेगा।
- (2) यह अनुरोध/शिकायत पत्र बिहार विधान परिषद् सचिवालय में सचिव के कक्ष में किसी भी कार्य दिवस में 9.30 पूर्वाह्न से 6.00 अपराह्न तक तथा राजकीय अवकाश के दिन सचिव के पटना स्थित आवास पर किसी भी समय इस अनुरोध/शिकायत पत्र की फोटो प्रति के साथ दिया जा सकता है। अनुरोध/शिकायतकर्ता फोटो प्रति पर सचिव से प्राप्ति अवश्य प्राप्त कर लें।

(3) (I) शिकायत की भाषा परिनिष्ठित और संयमित होगी तथा मात्र तथ्यों तक ही सीमित रहेगी।
 (II) शिकायतकर्ता को अपनी पहचान की घोषणा करनी होगी और आरोपों को सिद्ध करने के लिए आवश्यक दस्तावेज/कागजात और अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।
 (III) यदि शिकायतकर्ता द्वारा इस प्रकार का अनुरोध किया जाता है, तो समिति शिकायतकर्ता का नाम प्रकट नहीं करेगी।
 (IV) मात्र मीडिया की रिपोर्ट पर आधारित शिकायत को प्रामाणिक आरोप नहीं माना जायगा, और
 (V) समिति ऐसे किसी मामले पर विचार नहीं करेगी जो न्यायालय के विचाराधीन हो।"

यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

बाबूलाल अग्रवाल,
 कार्यकारी सचिव,
 बिहार विधान परिषद्।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
 बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 70-571+300-३००१००१०१०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>